हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
सोमवार, 17 अक्तूबर 2011, नगर पांच प्रदेश, 16 संस्करण
www.livehindustan.com

पिछड़ती विकास योजनाओं पर चिंता जताई

ग्रेटर नोएडा | कार्यालय संवाददाता

बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी में रविवार को उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड इकोनॉमिक एसोसिएशन का नौवां वार्षिक सम्मेलन शुरू हुआ है। इसमें आर्थिक विकास, भारत में कृषि विकास और खाद्य सुरक्षा एवं यूपी और उत्तराखंड में गरीबी विषय पर चर्चा की गई। अर्थशास्त्रियों ने यूपी में पिछड़ रहीं विकास योजनाओं पर चिंता जाहिर की।

सम्मेलन का उद्घाटन बिमटेक के निदेशक हरिवंश चतुर्वेदी ने किया। यूपीयूईए का यह सम्मेलन हर साल होता है। जिसमें अर्थव्यवस्था के क्षेत्र के विशिष्ट अध्यापक और नीति निर्माता भाग लेते हैं। इस सम्मेलन के माध्यम से देश की पंचवर्षीय योजनाओं एवं अन्य मुद्दों विचार किया जाता है। पहले दिन डॉ. डीके श्रीवास्तव ने यूपीयूईए की पत्रिका का विमोचन किया। कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ. हरिवंश चतुर्वेदी ने कहा कि यूपीयूईए सम्मेलन महत्वपूर्ण है। यूपी के विकास पर चिंता जाहिर की। चतुर्वेदी ने कहा कि प्रदेश में राजनीतिक पार्टियां व उनकी सरकार अपने कर्तव्य का निर्वाह करने में असफल रही हैं। यूपी के आर्थिक विकास के लिए राज्य स्तर पर एक आयोग बनाया जाना चाहिए। सीएसआरडी जेएनयू के अध्यक्ष प्रो. रवि श्रीवास्तव ने राज्य की नितियों के बारे में विस्तार से बताया। दूसरे सत्र में 12वीं पंचवर्षीय योजना पर एक पैनल ने चर्चा की। जिसके अध्यक्ष योजना आयोग के पूर्व सचिव प्रो. एसआर हाशिम थे। आयोग के सदस्य बीके चतुर्वेदी ने भी भाग लिया। आयोग के प्रमुख सलाहकार डॉ. प्रोनब सेन, पूर्व मंत्री मंडलीय सचिव एवं योजना आयोग के सदस्य प्रो. टीएस पपोला ने भी आर्थिक गतिविधियों पर अनुभव प्रस्तुत किए।

बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी में यूपी व उत्तराखंड एकोनॉमिक एसो. के नौवां वार्षिक सम्मेलन में यूपीयूईए की पत्रिका का विमोचन किया गया। • हिन्दुस्तान

कल